महत्वपूर्ण एवं खास

बोलेरो की ठोकर से युवक गंभीर

कोरबा (आरएनएस)। एसईसीएल कुसमुंडा कोयला खदान के सीआईएसएफ बेरियर केबी 2 से लगे पुराने खदान प्रवेश मार्ग पर आज सुबह एक बोलेरो वाहन द्वारा ठोकर मार दिए जाने से निजी कंपनी का कर्मचारी घायल हो गया। उसे उपचार के लिए एसईसीएल के विभागीय चिकित्सालय ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने युवक की गंभीर दशा को देखते हुए कोरबा अस्पताल रेफर कर दिया। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार निजी कंपनी सिम्फर में कोल सेंपलिंग का कार्य करने वाला युवक सौरभ झा आज सुबह खदान की ओर जा रहा था तभी 11 बजे के लगभग तेज रफ्तार बोलेरो के चालक ने उसे जबरदस्त ठोकर मार दिया। बोलेरो की ठोकर से युवक गिर गया और गंभीर रूप से घायल होकर सडक पर तड़पता रहा। किसी ने उसे उठाने की जहमत नहीं उठाई। इसी बीच मार्ग से गुजर रहे एसईसीएल कर्मी नरेंद्र पाल हनी की नजर उस पर पड़ी। उन्होंने तत्काल एसईसीएल के एम्बुलेंस को बुलाया और घायल युवक को विकासनगर अस्पताल पहुंचवाया जहां ड्यूटी पर मौजूद डॉक्टरों ने प्रारंभिक उपचार के बाद युवक की गंभीर दशा को देखते हुए कोरबा रेफर कर दिया। पुलिस को घटना की सूचना दे दी गई है।

ट्रक और आल्टो कार में जबरदस्त भिड़ंत, बाल बाल बचे लोग

रायपुर (आरएनएस)। राजधानी रायपुर से सटे अभनपुर रोड में निमोरा के पास भीषण सड़क दुर्घटना हुई है। तेज गति से आ रही ट्रक और अल्टो कार में आमने सामने की भिड़ंत हो गई। टक्कर इतनी भयंकर थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। कार में फंसे पति- पत्नी को बाहर निकालने के लिए पुलिस को चार घंटे तक पसीना बहाना पड़ा। घटना कल बीते देर रात की है। राखी पुलिस ने बताया कि दुर्घटना में 2 बच्चो को सकुशल बाहर निकाल लिया गया। जबकि कार में फंसे पति-पत्नी को 4 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद बाहर निकाला जा सका। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने निकाला उन्हें बाहर निकाला। कार सवार रायपुरा निवासी मंत्रालय में आईटी विभाग में पदस्थ आशुतोष योगी अपनी पत्नी पिंकी और दो बच्चो के साथ ढाबे से डिनर कर वापस लौट रहे थे। रायपुर आते समय निमोरा तिराहे पर हुआ था ये दुर्घटना हुई। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

छत्तीसगढ़ में अब तक आज 162.8 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

रायपुर (आरएनएस)। राज्य शासन के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा बनाए गए राज्य स्तरीय नियंत्रण कक्ष द्वारा संकलित जानकारी के मुताबिक 1 जून 2021 से अब तक राज्य में 162.8 मिमी औसत वर्षा दर्ज की जा चुकी है। राज्य के विभिन्न जिलों में 01 जून से आज 20 जून तक रिकार्ड की गई वर्षा के अनुसार कोरबा जिलें में सर्वाधिक 291.7 मिमी और दंतेवाड़ा जिले में सबसे कम 69.0 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गयी है। राज्य स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक जून से अब तक सरगुजा में 133.2 मिमी, सूरजपुर में 164.6 मिमी, बलरामपुर में 157.2 मिमी, जशपुर में 192.3 मिमी, कोरिया में 154.0 मिमी, रायपुर में 196.7 मिमी, बलौदाबाजार में 195.4 मिमी, गरियाबंद में 201.9 मिमी, महासमुंद में 172.0 मिमी, धमतरी में 213.9 मिमी, बिलासपुर में 166.8 मिमी, मुंगेली में 97.3 मिमी, रायगढ़ में 165.1 मिमी, जांजगीर चांपा में 182.7 मिमी, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 189.9 मिमी, दुर्ग में 229.3 मिमी, कबीरधाम में 76.0 मिमी, राजनांदगांव में 95.8 मिमी, बालोद में 163.4 मिमी, बेमेतरा में 187.1 मिमी, बस्तर 112.9 मिमी, कोण्डागांव में 130.7 मिमी, कांकेर में 150.1 मिमी, नारायणपुर में 152.3 मिमी, सुकमा में 157.1 मिमी और बीजापुर में 160.2 मिमी औसत वर्षा रिकार्ड की गई।

टीकाकरण केन्द्रों तक 7 लाख कोविड टीके पहुंचवा चुके हैं पंकज, आज तक परिवहन में एक भी टीका नहीं हुआ खराब

» जिले में टीकाकरण से जुड़ी हर जानकारी जुटाना और तीन वेबसाईट में अपलोड करना लखन की है जिम्मेदारी

रायगढ़। रायगढ़ जिले में कोरोना महामारी से बचाव के लिये टीकाकरण का काम युद्धस्तर पर किया जा रहा है। कलेक्टर भीम सिंह के नेतृत्व में व्यापक स्तर पर टीकाकरण किया जा रहा है। अब तक पहला और दूसरा डोज मिलाकर अब तक पौने 7 लाख डोज लगाये जा चुके है। जिसकी मॉनिटरिंग जिला पंचायत सीईओ डॉ.रवि मित्तल कर रहे हैं। इसके लिये स्वास्थ्य तथा अन्य विभागों के दो हजार से बाईस सौ लोग दिन रात काम में जुटे हुए हैं। इन सब में प्रदेश टीका कलेक्शन केन्द्र से जिले में टीकों का सुरक्षित परिवहन और यहाँ से उसे सभी वेक्सीनेशन साइट्स तक सही सलामत पहुँचाना तथा टीकाकरण से जुड़ी हर छोटी बड़ी जानकारी को कलेक्ट कर उसको नियमित अपडेट करना पूरी प्रक्रिया का एक बेहद अहम हिस्सा है। जिले में टीकों के सुरक्षित परिवहन की जिम्मेदारी वेक्सीनेशन कोल्ड चेन मैनेजर पंकज मिश्रा के कन्धों पर है वहीं टीकाकरण से जुडी हर जानकारी को इकठ्ठा करने का काम डिस्ट्रिक्ट डाटा मैनेजर लखन उरांव का है। इन दोनों कोविड वारियर ने अपने काम को बखूबी अंजाम दिया है और जिले में पौने 7 लाख टीके लगाये जाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिकायें निभायी है।

❐ रायपुर से जिले के टीकाकरण केन्द्रों तक सही तापमान में टीका पहुँचाने का रखते हैं ध्यान, आज तक एक भी टीका नहीं हुआ खराब- पंकज मिश्रा- जितनी सावधानी टीका लगाने के दौरान बरतनी होती है कमोबेश उतनी ही सावधानी टीकों के स्टोरेज और परिवहन में रखनी होती है। क्योंकि टीकों को एक निश्चित तापमान 2 से 8 डिग्री के बीच ही स्टोर और ट्रांसपोर्ट करना होता है। ऐसे में यह प्रदेश से मिलने वाले टीकों को रायपुर से लाना और दिन में टीकाकरण की शुरुआत होने से पहले जिले के हर टीकाकरण केन्द्र तक पहुंचाना काफी चुनौतीपूर्ण होता है। लेकिन पंकज ने दिन रात की परवाह किये बिना टीकों को सुरक्षित टीकाकरण केन्द्रों तक पहुँचाया है। आज रायगढ़ जिला विभिन्न आयु वर्ग के टीकाकरण में पूरे प्रदेश में अव्वल चल रहा है। पंकज मिश्रा बताते हैं की अगस्त में उन्होंने वेक्सीनेशन कोल्ड चेन मैनेजर की जिम्मेदारी संभाली। जनवरी से टीकाकरण की शुरुआत से अब तक बिना रुके बिना थके वो दिन रात काम में लगे हैं। वे कहते हैं कि कलेक्टर भीम सिंह के नेतृत्व में जिले में व्यापक स्तर पर टीकाकरण कार्य किया जा रहा है। आज हमारा जिला टीकाकरण में पूरे प्रदेश में सबसे आगे चल रहा है। इसकी खुशी है साथ ही उम्मीद है कि जल्द ही जिले के सारे लोग टीका लगवा लेंगे। जिससे कोविड के खिलाफ एक मजबूत सुरक्षा कवच लोगों को हासिल होगा। अपने काम के बारे में वो बताते हैं कोविड टीके के परिवहन में जो सबसे खास बात होती है वो कोल्ड चेन मैनेज करना होता है। मतलब टीकों को एक निश्चित तापमान में ही रखना होता है। इसके लिये जिले में 32 कोल्ड चेन पॉइंट बनाये गए हैं। रायपुर से टीका लाने के दौरान इसे आवश्यक तापमान मैनेज करते हुए लाना, कोल्ड चेन पॉइंट में रखना और यहाँ से टीकाकरण केन्द्रों तक पहुँचाना एक लगातार चलने वाली प्रक्रिया है। जिसके लिये व्यापक स्तर पर प्लानिंग करनी होती है। काम का कोई निर्धारित समय नही होता है, 24 घंटे अलर्ट रहना होता है। कई बार रात को 2 बजे टीके पहुँचते, ऐसे में उन्हें उसी समय अनलोड कराना और आगे भेजने का काम करना होता है। सुबह से टीकाकरण की शुरुआत हो जाती है उसके पहले टीका वहां सुरक्षित पहुँच जाए यही हमारा मुख्य लक्ष्य होता है। इसके लिये टीके भेजने के बाद उसका फॉलो अप लेना, कहीं कोई दिक्कत आ रही है, गाडी में या कोल्ड चेन मैनेजमेंट में कोई समस्या है तो तत्काल उसे दूर भी करना होता है। वे कहते हैं सीएमएचओ डॉ.केसरी और जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ.भानु पटेल के मार्गदर्शन में काम कर रहे हैं। वैक्सीन का अभी तक कोई डोज परिवहन के दौरान खराब नही हुआ है ये उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि है। पंकज बताते हैं कि वे विवाहित हैं और उनके दो छोटे बच्चे हैं। जब से टीकाकरण की शुरुआत हुयी है अपने बच्चों को समय नहीं दे पाता हूँ। सुबह ही थोडा समय उनके साथ बिता पाता हूँ। देर रात काम से जब घर पहुँचता हूँ तो भी वे सोये मिलते हैं। उनके साथ पर्याप्त समय नही बिता पाने का अफसोस तो होता है लेकिन उससे ज्यादा संतुष्टि इस बात में मिलती है कि कितने ही बच्चों के पालकों को सुरक्षित रखने में अपनी भूमिका निभा रहा हूँ। वे लोगों से सिर्फ यही अपील करते हैं कि जल्द से जल्द सभी टीका लगवा लें जिससे हम इस महामारी से अपने और अपनों को सुरक्षित कर सकें।

❐ एक दिन के टीकाकरण के लिये दो दिन करनी होती है मेहनत-श्री लखन उरांव- टीकाकरण के सुचारू और सफल संचालन के लिये इससे जुड़ी हर छोटी-बड़ी जानकारी काफी महत्वपूर्ण होती है। मसलन जिले में कितने टीके आये, किस विकासखंड किस टीकाकरण केन्द्र में कितने टीके लगे और कितने बचे हैं। ये सारी इनफार्मेशन आगे टीकाकरण की प्लानिंग में काफी अहम होती है। इसी जानकारी की समीक्षा कर के आगे की रणनीति तैयार की जाती है। जिले में टीकाकरण से जुड़ी इन सारी जानकारियों को कलेक्ट करने और मैनेज करने का काम डिस्ट्रिक्ट डाटा मैनेजर लखन उरांव के जिम्मे है। वे बताते हैं कि एक दिन के टीकाकरण के लिये उनको दो दिन मेहनत करनी होती है। पहले दिन टीकाकरण के लिये सेशन प्लान करने, किस विकासखंड में कितने टीके भेजे जाने इसकी योजना बनानी होती है, अगले पूरे दिन कहाँ कितने टीके लगे इसकी जानकारी एकत्रित करना होता है। जिसके बाद पूरे डाटा को कमपाइल कर यह देखा जाता है कि कहाँ टीकाकरण अच्छा हुआ, कहाँ कम लोग पहुंचे इसके हिसाब से आगे की कार्ययोजना बनाई जाती है। उरांव बताते हैं कि यह जानकारी 3 अलग-अलग सॉफ्टवेयर में भी अपडेट करने का काम उन्ही का है। टीके के आबंटन की जानकारी इ-विन पोर्टल में और 45 साल से अधिक की को-विन व 18 से 44 साल की जानकारी सीजी टीका में अपडेट करना होता है। इसके लिये उनके पास एक टीम है जिनके साथ मिल कर वे काम पूरा करते हैं। रात को 12 से 01 बजे तक डाटा रेडी करने और अपडेट करने का काम चलता रहता है। फिर अगले दिन सुबह से टीकाकरण की शुरुआत के साथ डाटा कलेक्शन में जुटना होता है। वे कहते हैं कि यह काफी चुनौतीपूर्ण समय है लेकिन इतने बड़े काम में अपना सहयोग देने की अपनी अलग संतुष्टि है। परिवार को समय नहीं दे पा रहा हूँ पिछले दिनों बेटे का बर्थडे था, लेकिन उसके लिये कुछ खास नही कर पाया। लेकिन इसका कोई मलाल नही है। अभी टीकाकरण जल्द से जल्द पूरा करना सबसे महत्वपूर्ण है जिससे जिले के लोग सुरक्षित हो सकें। वे जिलेवासियों से अपील करते हुए कहते हैं कि हम सब टीकाकरण के लिये काफी मेहनत कर रहे है तो आप सब भी जल्द टीका लगवाएं।

राज्य में आज से सभी नागरिकों का कोविड 19 टीकाकरण कोविन पोर्टल से होगा

» प्रदेश में 21लाख 33हजार से अधिक वैक्सीन डोज उपलब्ध

» केन्द्रों में ऑन साइट पंजीयन भी होगा

रायपुर (आरएनएस)। राज्य में 18 वर्ष की आयु से अधिक सभी लोगों का कल से कोविड 19 टीकाकरण, कोविन पोर्टल से होगा , क्योंकि भारत सरकार द्वारा सभी वर्गों के लिए कोविड 19 टीका निःशुल्क दिया जा रहा है। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग ने भारत सरकार से प्राप्त गाईडलाइन के अनुसार तैयारी कर ली है। राज्य में अब आयु वर्ग के अनुसार अलग- अलग टीकाकरण केन्द्र नही होंगे। 18वर्ष की आयु से अधिक के सभी उम्र के लोग, अपनी सुविधानुसार कोविन पोर्टल से पंजीयन करा सकते हैं या टीकाकरण केन्द्र में जाकर भी पंजीयन करा सकते हैं।

स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार वर्तमान में राज्य में कोविड 19 वैक्सीन पर्याप्त मात्रा में है । 20 जून सुबह तक की स्थिति में विभाग के पास भारत सरकार से प्राप्त वैक्सीन 19 लाख 58 हजार 690 डोज है और राज्य सरकार द्वारा खरीदी गई वैक्सीन 1लाख 75 हजार 309 ,कुल 21 लाख 33 हजार 999 डोज उपलब्ध है।

स्वास्थ्य विभाग द्वारा निर्देश जारी किए गए हैं कि चूंकि 21 जून से भारत सरकार द्वारा निःशुल्क टीका दिया जा रहा है इसलिए राज्य में पृथक से टीकाकरण पोर्टल संचालित करने की आवश्यकता नही रहेगी। सभी आयु वर्गों का टीकाकरण कोविन पोर्टल के माध्यम से ही होगा। जिन व्यक्तियों के पास इंटरनेट और मोबाइल की सुविधा नही है उन्हे ऑन साइट पंजीयन या चाइस सेंटर के माध्यम से पंजीयन कराने की सुविधा देने के निर्देश कलेक्टरों को दिए गए हैं ताकि सभी वर्गों का आसानी से टीकाकरण हो सके।

विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिन लोगों ने पूर्व में सी जी टीका के माध्यम से वैक्सीन की पहली डोज ली है,उन्हे दूसरी डोज लगाने के समय पहली डोज का सर्टिफिक्रेट या वैक्सीनेशन की तारीख बतानी होगी और पहचान पत्र दिखाने पर उनको निर्धारित समय पर दूसरी डोज लग जाएगी।

स्वास्थ्य विभाग ने सभी लोगों से अपील की है कि कोरोनसंकमण से बचने के लिए ,किसी भी तरह की अफवाहों पर ध्यान न दें और एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में `वैक्सीन अवश्य लगाएं ताकि संक्रमण के गंभीर खतरे से खुद भी बच सकें और अपने परिवार को भी बचा सकें। वैक्सीन लगाने के बाद भी कोविड अनुकूल व्यवहार करना जैसे मास्क लगाना,भीड़ वाले स्थानों में न जाना और हाथों की साबुन पानी या सेनेटाइजर से समय समय पर सफाई करना जरूरी है।

आत्मसमर्पित नक्सली शंकर और अनिल ने की मुख्यमंत्री से बातचीत

» बताया जिन हाथों से स्कूल को ढहाया था, उन्हीं हाथों से उसे फिर से बनाया

दंतेवाड़ा (आरएनएस)। दंतेवाड़ा जिले में विकास कार्यों के लोकार्पण और भूमि पूजन कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों से मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज वर्चुअल माध्यम से बातचीत की। उसी कड़ी में लोन वर्राटू के तहत आत्मसमर्पित नक्सली शंकर कुंजाम और अनिल कुंजाम से भी मुख्यमंत्री ने बातचीत की। शंकर कुंजाम ने बताया कि वे जब छोटे थे तब ही वे नक्सली दल से जुड़ गए थे, और लोगों को परेशान करके, गांव को तहस नहस करके दिन व्यतीत करते थे। इस दौरान उन्होने भांसी ग्राम स्थित स्कूल की ईमारत को तोड़ दिया था। लोन वर्राटू योजना के तहत उनके आत्म समर्पण करने से उन्हें शासन की पुर्नवास योजना का लाभ मिला और उन्हें रोजगार दिया गया साथ ही अन्य सुविधाएं दी गयी। तब उन्हें अहसास हुआ कि उनके द्वारा स्कूल तोड़ने से कल के भविष्य बच्चों का जीवन अंधकारमय हो सकता है, तब उन्होंने दंतेवाड़ा के भांसी गांव के मासापारा स्कूल को दोबारा अपने हाथों से बनाया।

पुलिस-नक्सली मुठभेड़ में 2 माओवादी नक्सली मारे गए एवं घटना स्थल से हथियार एवं सामाग्री बरामद की गई

नारायणपुर (आरएनएस)। पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज सुन्दरराज पी.,उप पुलिस महानिरीक्षक विनीत खत्रा, पुलिस अधीक्षक, नारायणपुर मोहित गर्ग,अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, नारायणपुर नीरज चन्द्राकर के निर्देशन में लगातार नक्सल विरोधी अभियान चलाया जा रहा है, इसी तारतम्य में दिनांक-18.06.2021 की रात्रि में डीआरजी की पुलिस पार्टी नक्सल विरोधी अभियान पर इतुल, कोरवाया गांव की ओर रवाना किया गया था। दिनांक-19.06.2021 को प्रातः करीबन 08:00 बजे पुलिस पार्टी को इतुल के जंगल में नक्सलियों को कैम्प दिखाई देने पर पुलिस पार्टी द्वारा घेराबंदी किया जा रहा था तभी माओवादी नक्सलियों द्वारा पुलिस पार्टी को देखकर जान सहित मारने एवं हथियार लूटने के नियत से पुलिस पार्टी पर फायरिंग करने लगे, पुलिस पार्टी द्वारा आत्मसुरक्षार्थ जवाबी फायरिंग किया गया। पुलिस के जवाबी फायरिंग से नक्सली जगंल, पहाड़ का आड़ लेकर भाग गये। फायरिंग करीबन आधा घण्टा तक चला। फायरिंग बंद होने के पश्चात घटना स्थल की सर्चिंग करने पर एक अज्ञात नक्सली का शव, 303 रायफल 01 नग, भरमार बदूंक 01 नग एवं अन्य सामग्री बरामद किया गया। जिसे लेकर पुलिस पार्टी टेक्टिकल मूव्हमेंट करते हुए वापस आ रहे थे कि करीबन दोपहर 01:00 बजे कोरोवाया के जंगल में एम्बुश लगाकर माओवादी नक्सलियों द्वारा पुलिस पार्टी पर फायरिंग करना शुरू कर दिये, जिससे पुलिस पार्टी के जवान बालबाल बचे, पुलिस पार्टी द्वारा तत्काल पोजीशन लेकर माओवादी नक्सलियों को आत्मसमर्पण करने बोला गया, लेकिन माओवादी नक्सलियों द्वारा लगातार फायरिंग किया जा रहा था जिससे पुलिस पार्टी द्वारा आत्मसुरक्षार्थ जवाबी फायरिंग कर नक्सिलयों के एम्बुश को तोड़ने में सफलता मिली। नक्सली जवाबी फायरिंग से जंगल, पहाड़ का आड़ लेकर भाग खड़े हुए। मुठभेड़ पश्चात घटना स्थल की सर्चिंग करने पर एक अज्ञात नक्सली का शव, 315 बोर रायफल 01 नग, तीर-धनुष, डेटोनेटर व अन्य सामग्री बरामद किया गया। घटना में कुछ जवानों को साधारण चोट लगी है, जिनका ईलाज जिला अस्पताल नारायणपुर में किया गया, जवानों की स्थिति सामान्य है।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनतमपूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं० 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईजर श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कुरु सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी ठाकुरे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक उन्नयन अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जायेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेरोजगार, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जायेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जायेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जायेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जायेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जायेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को प्रत्येक कार्यक्रमों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जायेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जायेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जायेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जायेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के मूल मिशन पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित कराएगा।

पधिए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सुकमावासियों को देंगे 94 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों की सौगात

» वर्चुअल माध्यम से कल 21 जून को करेंगे 57 विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास

सुकमा (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सोमवार 21 जून को सुकमा जिलावासियों को 94 करोड़ रुपए से अधिक के विकास कार्यों की सौगात देंगे। वे 41 करोड़ 10 लाख रुपए से अधिक के 26 विकास कार्यों का लोकार्पण और लगभग 53 करोड़ रुपए के 31 विकास कार्यों का शिलान्यास करेंगे।

मुख्यमंत्री दोपहर 12 बजे वर्चुअल माध्यम से लगभग 80 लाख रुपए की लागत से कनकापाल/मारोकी में निर्मित उप स्वास्थ्य केन्द्र, लगभग 90 लाख रुपए की लागत से चिंतलनार में निर्मित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, लगभग 2 करोड़ रुपए की लागत से किस्टाराम में निर्मित 100 सीटर आश्रम भवन, लगभग 2 करोड़ रुपए की लागत से सामसट्टी में निर्मित 100 सीटर आश्रम भवन, 152 करोड़ रुपए की लागत से कुन्ना में निर्मित 100 सीटर आश्रम भवन, लगभग 1 करोड़ 78 लाख रुपए की लागत से राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 30 से बोकराओढार तक निर्मित पांच नग पुलिया सहित सड़क, छिंदगढ़ और चिंतागुफा में लगभग 2 करोड़ 3 लाख रुपए से निर्मित स्वास्थ्य कर्मचारियों के लिए 14 नग आवास, लगभग 1 करोड़ 43 लाख रुपए की लागत से राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 30 से मुर्रेपाल तक निर्मित तीन किलोमीटर लंबी सड़क, 1 करोड़ 31 लाख रुपए की लागत से बोदागुड़ा से सामसट्टी मार्ग में निर्मित पुल, चिंतागुफा, चिंतलनार और किस्टाराम में लगभग 1 करोड़ 78 लाख रुपए की लागत से निर्मित हाट-बाजार शेड, लगभग एक करोड़ रुपए की लागत से पावारास से कलेक्टोरेट तक निर्मित सड़क, लगभग 2 करोड़ 29 लाख रुपए की लागत से कोडरीपाल से उड़ीसा सरहद तक निर्मित सड़क, लगभग 98 लाख रुपए की लागत से बोकराओढार में निर्मित पुल, लगभग 3 करोड़ 83 लाख रुपए की लागत से निर्मित कोकराल-पुसपाल मार्ग, लगभग 2 करोड़ 81 लाख रुपए की लागत निर्मित गुडरा-मेखावाया मार्ग, सहित विभिन्न कार्यों का लोकार्पण करेंगे।